शुक्रवार

13 दिसम्बर 2024

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 302
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

32 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक नजर

दिल्ली के 4 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। 13 दिसंबर को कम से कम चार स्कूलों को बम की धमकी मिली, जिसके कारण उन्हें कक्षाएं स्थगित करनी पड़ीं। अग्निशमन अधिकारी और पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। इन स्कूलों में पश्चिम विहार में भटनागर इंटरनेशनल स्कूल, श्री निवास पुरी में कैम्ब्रिज स्कूल और ईस्ट ऑफ कैलाश में डीपीएस अमर कॉलोनी शामिल हैं। अग्निशमन विभाग, पुलिस और बम निरोधक दल, डॉग स्क्वॉड के साथ सभी स्कूलों में पहुंच गए हैं और जांच कर रहे हैं। स्कूलों के अधिकारियों ने अभिभावकों को संदेश भेजा है कि वे अपने बच्चों को कक्षाओं में न भेजें। दिल्ली पुलिस के अनुसार, सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के 44 स्कूलों को ईमेल के माध्यम से इसी तरह की झूठी धमकियां मिलने के बाद, एक सप्ताह में यह दूसरी बम धमकियां हैं।

पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद धमकियों को झूठी घोषित किया, जिसमें उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। सोमवार को जिन स्कूलों को धमकियां मिलीं, उनमें आरके पुरम का डीपीएस, पश्चिम विहार का जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, मदर मैरी स्कूल, ब्रिटिश स्कूल, सलवान पब्लिक स्कूल और कैम्ब्रिज स्कूल शामिल हैं। स्कूलों को मिले धमकी भरे मेल में लिखा था, ष्मैंने (स्कूल) इमारतों के अंदर कई बम लगाए हैं। बम छोटे हैं और बहुत अच्छी तरह से छिपाए गए हैं। इससे इमारत को ज्यादा नुकसान नहीं होगा, लेकिन बम फटने पर कई लोग घायल हो जाएँगे। अगर मुझे 30,000 डॉलर नहीं मिले तो मैं बम विस्फोट कर दूँगा। जानकारी के मुताबिक धमकी भरे मेल का आईपी एड्रेसन्यूयॉर्क के यूरिका का था। मामले की साइबर जांच में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ईमेल भेजने के लिए एक प्रॉक्सी सर्वर का इस्तेमाल किया गया था। प्रॉक्सी सर्वर एक कंप्यूटर सर्वर होता है जो किसी दूसरे सिस्टम को किसी दूसरे नेटवर्क सेवा से अप्रत्यक्ष नेटवर्क कनेक्शन का उपयोग करने की सुविधा देता है।

खबर का असर: हटाये गये जानलेवा स्पीड ब्रेकर

संवाददाता

देहरादून। लोगों के लिए मुसीबत का सबब बन रहे स्पीड ब्रेकरों को प्रशासन ने रातों रात हटा दिया। जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

गत दिवस संध्य दैनिक वैली मेल ने शहर के जानलेवा स्पीड ब्रेकरों के बारे में (स्पीड ब्रेकर बने जनता का सिरदर्द, 15 मिनट में 7 दुघर्टनाएं प्रमुखता से छापा था। दून वैली मेल की खबर को प्रशासन ने गम्भीरता से लिया और जिसके बाद स्मार्ट सिटी द्वारा बनाए गए समस्त स्पीड ब्रेकरों को देर रात उखाड़ दिया गया है, वही जिलाधिकारी देहरादून /सीइओ स्मार्ट सिटी सवीन बंसल ने स्मार्ट सिटी के ईई अधिशासी अभियंता को लापरवाही के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। शहर में स्पीड ब्रेकरों के हटाये जाने से एक तरफ जनता ने भी काफी राहत महसूस की। क्योकि यह स्पीड ब्रेकर दुघर्टनाओं को आर्मंत्रित करने जैसे थे। इनका कोई मापदंड भी तय नहीं किया गया और ना ही जिला प्रशासन ने इसके लिए किसी की अनुमति लेने की जरूरत महसूस की और आनन फानन में शहर में स्पीड ब्रेकरों का निर्माण कर दिया गया जिससे शहर में आये दिन दुघर्टनाएं हो रही थी तथा लोग आये दिन चोटिल हो रहे थे। इन स्पीड ब्रेकरों के कारण लोग गम्भीर बीमारियों का भी शिकार हो रहे थे। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए कई बार बुद्धिजीवी लोगों ने शासन प्रशासन से शिकायत भी की थी जिसके बाद प्रशासन ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए गत रात्रि शहर से सभी स्पीड ब्रेकर हटा दिये गये।

दून वैली मेल

संपादकीय

यातायात कर्मियों को है प्रशिक्षण की आवश्यकता

राजधानी बनने के बाद दून में एकाएक यातायात का दबाव बढ गया। बाहरी प्रदेशों से लोगों का यहां पर जमावाडा तथा अधिकारियों व कर्मचारियों की यहां पर तैनाती से शहर में वाहनों का जैसे सैलाब यहां पर आ गया और एक दम यातायात का दबाव बढने से शहर में जाम की समस्या ने जन्म ले लिया। शहर के अधिकांश सडके जाम के झाम में फंसती चली गयी और यह रोज का काम हो गया। यातायात के बढते दबाव के चलते यातायात कर्मियों की कमी भी एक समस्या बनती चली गयी। पुलिस मुख्यालय से लेकर सचिवालय तक इस समस्या से निजात पाने के लिए मंथन शुरू हो गया लेकिन इस समस्या का हल कोई नहीं तलाश कर सका। हर अधिकारी यहां पर तैनाती के बाद अपनी सबसे बडी चुनौती यातायात को मानता है और इससे निजात पाने के नये-नये प्रयोग करता है। कोई अधिकारी यहां पर चौराहों पर रस्सियां लगाकर यातायात समस्या का समाधान तलाशता है तो कोई यातायात कार्यालय पर यातायात पार्क बनाकर स्कूली बच्चों व अभिभावकों को बुलाकर यातायात का पाठ पढाते हैं लेकिन पाठ पढाने से यातायात की समस्या का समाधान नहीं होता यह वह नहीं जानते हैं। इसके लिए धरातल में कोई कार्य करने होंगे लेकिन अधिकारी अपने-अपने प्रयोग कर शांत बैठ जाते है। लेकिन इसका कोई समाधान कोई भी तलाश नहीं कर सका। शहर के जाम की एक वजह ओर है वह है यातायात कर्मियों में प्रशिक्षण की कमी। उनको पता ही नहीं होता है कि उनको क्या करना है। वह तो चौराहे पर खडे होकर एक किनारे से वाहनों को चलाना शुरू करते हैं तो फिर दूसरे किनारे पर खडे वाहनों को जैसे भूल जाते है और एक तरफ से वाहनों को जो बुलाना शुरू करते हैं तो फिर रूकने का नाम ही नहीं लेते। वह तो आम भाषा में लोगों को घर से बुलाना शुरू कर देते है तभी दूसरी तरफ वाहनो की लम्बी कतार लग जाती है और लोगों को इन यातायात कर्मियों की नासमझी के चलते जाम के झाम से जुझना पडता है। पुलिस अधिकारियों को शहर को यातायात की प्रयोगशाला बनाने से पहले अपने कर्मचारियों को सही तरीके से यातायात का प्रशिक्षण देना होगा तभी जनता को जाम से निजात मिल सकती है। अगर यातायात कर्मी ऐसे ही नासमझी से यातायात व्यवस्था को चलाते रहेंगे तो इस शहर को जाम के झाम से कोई नहीं बचा सकता है। पुलिस अधिकारियों को चाहिए की पहले अपने कर्मचारियों को यातायात चलाने का सही तरीके से प्रशिक्षण दिया जाये उसके बाद उनको चौराहे पर खडा किया जाये। शहर की जनता को तो ऐसे भी इसकी आदत पड गयी है लेकिन फिर भी विभाग को इसके लिए सही तरीके से मंथन करना होगा। अगर यातायात कर्मियों को सही तरीके से प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है तो फिर इस समस्या का कोई समाधान नहीं हो सकता।

मुख्य सचिव ने महिला आईटीआई मामले में दिए कार्रवाई के निर्देश: मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने सचिव, कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग को कार्यवाही की निर्देश दिए।

आज यहां विकासनगर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत ढकरानी कॉलोनी में लगभग 10 वर्ष पूर्व बना महिला आईटीआई भवन ,जोकि सिर्फ शोपीस बनकर रह गया है,को संचालित करने अथवा अन्य प्रयोजन में लाये जाने के मामले में जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के आग्रह पर मुख्य सचिव ने सचिव, कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग को कार्यवाही की निर्देश दिए। नेगी ने कहा कि जब यह भवन बनकर तैयार

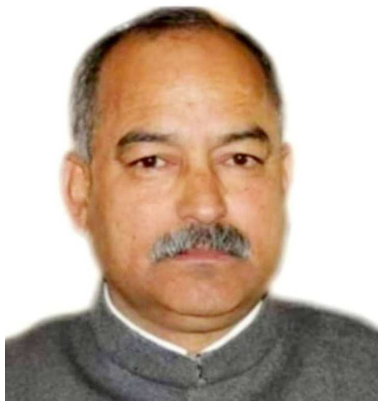

हुआ उसके पश्चात वर्ष 2020 में उक्त महिला आईटीआई को विकास नगर आरटीआई में विलय कर दिया गया। नेगी ने कहा कि वर्ष 2014-15 में लगभग 5 करोड रुपए की लागत से बना महिला आईटीआई भवन विभागीय लापरवाही एवं जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते खंडहर में तब्दील होने का इंतजार कर रहा है। उक्त भवन को पूर्व में सभी सुविधाओं से लैस किया जा चुका था, लेकिन आज तक जिस उद्देश्य से इसका निर्माण कराया गया था, उससे महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिल पाया। एक तरफ जहां सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है, वहीं ठेकेदार रूपी नेता सरकार की योजनाओं पर पलीता लगा रहे हैं। आलम यह है कि जनप्रतिनिधि सिर्फ और सिर्फ ठेकेदारी की कमीशन खोरी पर ही ध्यान दे रहे है। मोर्चा को भरोसा है कि शीघ्र ही इसका लाभ जनता को मिलेगा।

बड़कोट में आग लगने से 5 भवन और दुकानें खाक

कार्यालय संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले के बड़कोट के वार्ड नंबर 3 में लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास एक आवासीय भवन में देर रात आग लगने से 5 भवन और 5 दुकानें जलकर खाक हो गई।

हादसे में घर में सो रहे पांच लोग सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। आग से सामान पूरी तरह नष्ट हो गया और गैस सिलेंडर ब्लास्ट से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। करीब एक दर्जन भवनों को नुकसान पहुंचा है।

'हे रामिये' उत्तराखंड की खूबसूरती और संस्कृति का अनमोल तोहफा

संवाददाता

देहरादून। नरेन्द्र सिंह नेगी व स्वर कोकिला मीना राणा की जादुई आवाज में 'हे रामिये' उत्तराखण्ड की खुबसूरती और संस्कृति का अनमोल तोहफा है।

इस गीत को उत्तराखण्डी संगीत जगत के दो अनमोल रत्न, गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी और स्वर कोकिला मीना राणा ने अपनी जादुई आवाज से सजाया है। गीत का कॉन्सेप्ट भी उतना ही खास है, जिसे जाने-माने अभिनेता पूरब पंवार जी ने तैयार किया है। इस गीत की एक और खासियत यह है कि प्रवृति चंद इसमें बतौर अभिनेत्री अपनी पहाड़ी संगीत यात्रा की शुरुआत कर रही हैं। प्रवृति चंद मिसेज उत्तराखंड 2019 और मिसेज इंडिया 2020 में भी अपनी चमक बिखेर चुकी हैं। उत्तरकाशी के खूबसूरत गाँव की मूल निवासी, प्रवृति पहाड़ और उसकी संस्कृति से गहरा लगाव रखती हैं।

उन्होंने एन.आई.एम. से पर्वतारोहण का कोर्स भी किया है। आज भले ही वह मुंबई में रहती हैं, लेकिन उनकी आत्मा में पहाड़ बसता है। इस गीत में प्रवृति के साथ उत्तराखण्ड और हिमाचल के सुप्रसिद्ध अभिनेता अतुल घिल्डियाल का शानदार अभिनय देखने को मिलेगा आपको बता दे अतुल घिल्डियाल काफी टाईम से उत्तराखंड ओर हिमाचल इंडस्ट्री में काम कर रहे है और मूल रूप से पौड़ी की एकेस्वर ब्लाक के पट्टी-मोनदारी गांव दौड़ा डंडा से तालुक रखते है।

इस अद्भुत गीत को टिहरी के सीमांत गाँव गंगी की सुंदर वादियों में फिल्माया गया है, जो इसे और भी खास बनाता है। गीत का निर्देशन किया है प्रसिद्ध निर्देशक अरविन्द नेगी ने, और इसके डीओपी हैं देवेंद्र नेगी। जानी-मानी म्यूजिक कंपनी टी-सीरीज के बैनर तले यह गीत रिलीज होने जा रहा है। 'हे रामिये' न केवल आपके कानों को सुकून देगा, बल्कि अपने शानदार संगीत, बेहतरीन अभिनय और अद्भुत सिनेमेटोग्राफी से आपके दिलों को भी छू लेगा।

आठ लाख की स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने आठ लाख रूपये की स्मैक के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने रेलवे स्टेशन से मद्रासी कालोनी जाने वाले रास्ते पर स्थित खण्डहर के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख महिला भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 26.17 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम श्रीमती प्रेमी पत्नी राजून निवासी मद्रासी कालोनी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने कोयल घाटी के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देखकर स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया।

तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 48 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम कमल अधिकारी निवासी शिवाजी नगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर स्कूटी को सीज कर दिया।

युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक

प्रह्लाद सबनानी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य शमिका रवि के हालिया रिसर्च पेपर में कई महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। भारत के आर्थिक विकास के कई क्षेत्रों के संबंध में तथ्यों पर आधारित सारगूभत बातें बताने के साथ-साथ यह भी जानकारी दी गई है कि किस प्रकार भारत में अब ग्रामीण इलाके भी अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं। यह भी कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है। किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी, दो अलग-अलग मुद्दे हैं। श्रम की भागीदारी में 18-59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं, जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। पिछले 4० वर्षो के दौरान चीन में श्रम की औसत भागीदारी 75 प्रतिशत से ऊपर रही है अर्थात प्रत्येक 4 में से 3 लोग या तो रोजगार में रहे हैं अथवा रोजगार तलाशते रहे हैं।

वियतनाम में श्रम की भागीदारी 72-73 प्रतिशत के बीच रही है। बांग्लादेश में यह 6० प्रतिशत से अधिक रही है परंतु भारत में 5 वर्ष पूर्व तक केवल 5० प्रतिशत के आसपास थी जो आज बढक़र 57 प्रतिशत हो गई है। अर्थात इतने बड़े देश में कुल कार्य करने योग्य जनसंख्या में से आधे से कुछ कम आबादी या तो रोजगार में नहीं है अथवा रोजगार तलाश भी नहीं रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए ठीक नहीं है। दूसरे, बेरोजगारी से आश्य ऐसे नागरिकों से है, जो रोजगार तलाश रहे हैं, लेकिन रोजगार मिल नहीं रहा। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या मात्र 3 प्रतिशत है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा-बहुत परिवर्तन होता रहता है परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं, तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक जैसे राज्यों में बेरोजगारी की दर ०.9-1.5 प्रतिशत के बीच है, जबकि केरल में 12.5 प्रतिशत है।

आर्थिक विकास में वृद्धि के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी अधिक निर्मित होते हैं। इसलिए देश में रोजगार के नये अवसर निर्मित करने के लिए व्यवसाय को बढ़ाना होगा, विकास को बढ़ाना होगा। केवल केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकतीं। इस हेतु, निजी क्षेत्र को आगे आना होगा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के संस्थानों के रोजगार के अवसर निर्मित करने की कुछ सीमाएं हैं।

आज भारत में 3० वर्ष के अंदर की उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर 12 प्रतिशत है, जबकि देश में कुल बेरोजगारी की दर 3.1 प्रतिशत है। अत- युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक दिखाई देती है। युवाओं में कौशल का अभाव है। इसलिए केंद्र सरकार विशेष कार्यक्रम लागू कर युवाओं में कौशल विकसित का प्रयास कर रही है। विशेष रूप से युवाओं के लिए कहा जा रहा है कि वे 3० वर्ष की उम्र तक काम करना ही नहीं चाहते क्योंकि इस उम्र तक वे रोजगार के अच्छे अवसर ही तलाशते रहते हैं। 3० वर्ष की उम्र के बाद वे दबाव में आने लगते हैं एवं फिर जो भी रोजगार अवसर मिलता है, उसे स्वीकार कर लेते हैं।

इसलिए 3० वर्ष से अधिक की उम्र के नागरिकों के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है। यह स्थिति हाल के समय में अन्य देशों में भी देखी जा रही है। युवाओं की अपनी नजर में सही रोजगार के अवसर के लिए वे इंतजार करते रहते हैं, अथवा अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं।

आज विशेष रूप से भारत में रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। युवाओं में कौशल एवं मानसिकता का अभाव एवं केवल सरकारी नौकरी को ही रोजगार के अवसर के लिए चुनना ही भारत में श्रम की भागीदारी में कमी के लिए जिम्मेदार तत्व हैं। अधिक डिग्रियां प्राप्त करने वाले युवा रोजगार के अच्छे अवसर तलाश करने में ही लंबा समय व्यतीत कर देते हैं। कम डिग्री प्राप्त एवं कम पढ़े-लिखे नागरिक छोटी उम्र से ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं। यह भी कटु सत्य है कि डिग्री प्राप्त करने एवं वास्तविक धरातल पर कौशल विकसित करने में बहुत अंतर है। आज भी भारत में कई कंपनियों को शिकायत है कि देश में इंजीनीयर्स तो बहुत मिलते हैं परंतु उच्च कौशल प्राप्त इंजीनीयर्स की भारी कमी है। तमिलनाडु में किए गए एक अध्ययन में तथ्य उभर कर आया है कि किसी भी देश के नागरिक जब अधिक उम्र में रोजगार प्राप्त करते हैं, तो उनकी कुल उम्र भर की कुल वास्तविक औसत आय बहुत कम हो जाती है। इसके विपरीत जो नागरिक अपनी उम्र के शुरुआती पड़ाव में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं, उनकी कुल उम्र भर की वास्तविक औसत आय तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। भारत में स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाना चाहिए एवं युवाओं को सरकारी नौकरी की चाहत को छोडक़र निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए। युवाओं को अपने स्वयं के व्यवसाय प्रारंभ करने के प्रयास भी करने चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आपकी सेहत पर चॉकलेट का क्या असर होता है?

चॉकलेट का नाम जुबान पर आते ही मुंह में पानी और ढेरो चॉकलेट की तस्वीर हमारी आंखों के सामने आ जाती है। उसको खाने की लालसा को रोक पाना बेहद मुश्किल होता है। बच्चे और युवतियों की पहली पसंद होता है चॉकलेट। आजकल त्यौहार भी बिना चॉकलेट के अधूरे होते है दिवाली हो या राखी हर त्यौहार बिना चॉकलेट के फीका सा लगता है। चॉकलेट खाने के कई फायदे हैं जो कि हमारी सेहत के लिये फायदेमंद हैं। और कई ऐसे नुकसान है। जिससे हमें कई बिमारियों का भी सामना करना पड़ सकता है।

तनाव व डिप्रेशन को रखे दूर

जो लोग तनाव में रहते हैं। उनके लिये डार्क चॉकलेट फायदेमंद रहता है। चॉकलेट खाने से हाई ब्लड प्रेशर संतुलित रहता है। कोको में मौजूद एंटीऔक्सीडेंट्स कई स्वास्थ्य समस्याओं में फायदेमंद होते हैं।

सौंदर्य के लिये लाभकारी

चॉकलेट का प्रयोग ब्यूटी प्रोडक्ट्स मे किया जाता है। इसमे मौजूद कोको फ्लैवनौल बढ़ती उम्र के लक्षणों को जल्दी नहीं आने देता है। इससे चेहरे की झुर्रियां खत्म होती है। चॉकलेट खाने से बालों का झड़ना भी कम होता है,सूरज की किरणों के हानिकारक प्रभाव से बचता है, खून की मात्रा बढ़ता है,व रोजाना हौट चॉकलेट के दो कप पीने से वृद्ध लोगों का मानसिक स्वास्थ अच्छा रहता है और उनकी सोचने की क्षमता भी तेज होती है।

दिल के लिये है सेहतमंद

डार्क चॉकलेट में पोटैशियम और कौपर होता है। जो की दिल का दौरा पड़ने जैसे खतरों को कम करता है।इसके सेवन से धमनियां कठोर नहीं होती व रक्तचाप संतुलित रहता है।

दिमाग पर डालती है असर

चॉकलेट खाने से दिमाग की कार्यक्षमता प्रभावित होती है और इसका अधिक सेवन सिर दर्द रहने का कारण भी बनता है।चॉकलेट में एंटीऔक्सीडेंट्स, विटामिन्स, डाएट्री मिनरल्स और फैटी एसिड मौजूद होते हैं। जिस कारण नींद नहीं आती और अनिद्रा की शिकायत होती है। चॉकलेट में मौजूद थियोफाइलिइन के कारण हल्के सिर दर्द और जी मचलने जैसी दिक्कतें भी सामने आ सकती हैं।शरीर मे कैफीन की मात्रा बढ़ती है।

सर्दियों में हरी मटर खाने से सेहत के होते हैं ये भारी नुकसान!

दिल्ली समेत भारत के कई राज्यों में सर्दी ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। वहीं सर्दियों के मौसम में मिलने वाली हरी सब्जियां बाजारों में काफी मात्रा में बिकती हैं, लेकिन इस मौसम में मिलने वाली हरी सब्जियां स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं, लेकिन इनमें कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं, जिनके सेवन से हमारा स्वास्थ्य खराब हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, किसी भी चीज का ज्यादा सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसी ही एक सब्जी मटर है, जो सर्दियों के मौसम में बाजारों में खूब बिकती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा मात्रा में मटर खाना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। आइए जानते हैं सर्दियों के मौसम में मटर खाने के नुकसान के बारे में।

पेट की समस्याएं

सर्दियों के मौसम में ज्यादा मटर खाने से पेट की समस्याएं हो सकती है। मटर एक हाई फाइबर सब्जी है, अगर कोई इसे ज्यादा मात्रा में खाएंगे, तो उससे पेट में गैस, ब्लोटिंग और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पाचन संबंधी समस्याएं

मटर में लेक्टिन नामक प्रोटीन होता है। ऐसे में अगर आप मटर का अधिक मात्रा में सेवन करते हैं, तो यह पाचन तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसके अलावा पेट दर्द, कब्ज, एसिडिटी और गैस का कारण बन सकते हैं।

किडनी समस्याएं और वजन बढऩा

मटर ज्यादा खाने से शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ सकती है। इससे शरीर के किडनी में स्टोन और गठिया की समस्या के होने का खतरा रहता है। इसके अलावा अगर आप सर्दियों में मटर का ज्यादा सेवन करते हैं, तो इससे आपके शरीर में कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट की अधिकता हो सकती है, जिससे आपका वजन बढ़ सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप रोजाना मटर खाते हैं, तो एक सीमित मात्रा में खाएं। एक दिन में लगभग 15० ग्राम पकी हुई मटर खाना सेहत के लिए सही रहेगा। इसे अन्य सब्जियों के साथ मिलाकर खाना भी काफी फायदेमंद होगा।(आरएनएस)

चेहरे पर लगाएं आम के बने ये फेस पैक

आम विटामिन- ए, विटामिन- सी और कई ऐसे गुणों से समृद्ध होता है, जो त्वचा को कई तरह की समस्याओं से राहत दिलाकर इसे पोषित करने का काम कर सकते हैं।

ओटमील और आम का फेस पैक डेड स्किन से छुटकारा दिलाकर निखार देने में मदद कर सकता है। फेस पैक बनाने और लगाने का तरीका- एक कटोरी में एक आम का गूदा और थोड़ा दूध मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं, फिर इसमें ओटमील और बादाम का पाउडर मिलाएं। इसके बाद पहले अपने चेहरे को हल्के गर्म पानी से गीला करें, फिर उस पर यह मिश्रण लगाकर हल्के हाथों से मलें। अंत में चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

यह फेस पैक समय से पहले उभरने वाले बढ़ती उम्र के प्रभाव से छुटकारा दिला सकता है। इसे बनाने और लगाने का तरीका- सबसे पहले एक आम और एवोकाडो को धोकर छिलें, फिर इनके गुदे को एक ब्लेंडर पर डालकर ब्लेंड करें। इसके बाद इस मिश्रण को एक कटोरी में थोड़े से नारियल के तेल के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर कुछ मिनट मलें। 15-2० मिनट के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

अगर आपके चेहरे पर सनटैन की समस्या हो गई है तो इससे राहत पाने के लिए आम और बेसन का फेस पैक लगाएं। इसे बनाने और लगाने का तरीका- सबसे पहले एक कटोरी में एक बड़ी चम्मच आम का गूदा, दो बड़ी चम्मच बेसन, दो बड़ी चम्मच पिसे हुए बादाम और एक छोटी चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से चेहरे को धो लें।

यह फेस पैक त्वचा का अतिरिक्त तेल सोखकर कील-मुंहासों से छुटकारा दिला सकता है। इसे बनाने और लगाने का तरीका- सबसे पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच आम का गूदा, एक चम्मच शहद और नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाएं। अब इस मिश्रण को साफ चेहरे पर लगाएं और 15 से 2० मिनट के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। अंत में चेहरे पर जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं।

इंडिया गठबंधन के आगे गंभीर प्रश्न

लोकसभा चुनाव में जो नुकसान हुआ, अब ऐसा लगता है कि अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है। इससे इंडिया गठबंधन के आगे अपनी भूमिका तय करने का गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। इंडिया गठबंधन के सामने कठिन प्रश्न हैं। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से यह सवाल गहरा गया है कि क्या ये गठबंधन बनने के डेढ़ साल बाद भी अपना कोई साझा उद्देश्य तय कर पाया है?

हर चुनाव से पहले शामिल दलों के बीच सीटों को लेकर धींगामुश्ती, मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा पेश कर पाने के मुद्दे पर मतभेद और चुनाव अभियान में समन्वय का अभाव आम कहानी बन गया है।

गठबंधन बनने के बाद नवंबर- दिसंबर 2023 में जब पहले चुनाव हुए, तो दलों का मनमुटाव खुल कर जाहिर हुआ।

लोकसभा चुनाव में जरूर चीजें कुछ संभलती नजर आईं, लेकिन जैसे ही बात हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड की आई, पुरानी खींचतान उभर आई। किसी साझा न्यूनतम कार्यक्रम की जरूरत तो गठबंधन ने आरंभ से ही नहीं समझी।

नरेंद्र मोदी- अमित शाह से मुक्ति की चाहत के अलावा उनके बीच किसी मुद्दे और सहमति की तलाश करना कठिन बना रहा है। ऐसी नकारात्मक राजनीति कभी कारगर नहीं होती। लोकसभा चुनाव में बिजली चमकने जैसी उम्मीद जगी, तो उसके पीछे भी उनके अपने प्रयासों का कम ही योगदान था।

अब ऐसा लगता है कि तब जो नुकसान हुआ, अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है।

इसका बड़ा कारण यह है कि इंडिया गठबंधन यह संदेश देने में नाकाम है कि उसके पास देश के विकास एवं आम जन की बेहतरी का कोई बेहतर एजेंडा है। इसके अभाव में गठबंधन महज सीटों के तालमेल का माध्यम बन कर रह जाता है।

इस रूप में कुछ खास परिस्थितियों में यह प्रयास लाभदायक हो सकता है, लेकिन सत्ता पक्ष के लिए कोई गठबंधन कोई निर्णायक चुनौती पेश नहीं कर पाएगा। महाराष्ट्र का चुनाव नतीजा आने के बाद गठबंधन के अंदर की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस आलोचना के केंद्र में आई है, तो उसकी भी ठोस वजहें हैं। बड़ी पार्टी होने का सिर्फ लाभ नहीं होता, बल्कि जिम्मेदारियां भी होती हैं, इसे अब भी कांग्रेस नेतृत्व नहीं समझ पाया, तो पार्टी की भूमिका पर सवाल गहराते जाएंगे। वैसे अपनी-अपनी भूमिका से जुड़ा सवाल गठबंधन में शामिल सभी दलों के सामने है। (आरएनएस)

पुलिस और जेल व्यवस्था

एलान सचमुच बड़ा है। आशा है कि इसके पीछे इरादा भी नेक होगा। इसके बावजूद जिस भावना से घोषणा हुई है, उसके जमीन पर उतर सकने को लेकर कुछ सवाल मौजूद हैं। एलान यह है कि ऐसे विचाराधीन कैदियों को रिहा किया जाएगा, जो अपनी संभावित सजा का एक तिहाई हिस्सा काट चुके हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने धीमी न्याय प्रक्रिया से निपटने के लिए नई पहल की घोषणा की। उन्होंने दो-टूक कहा कि छोटे अपराधों के आरोप में बंद ऐसे कैदियों को जमानत दी जाएगी, जिन्होंने अपनी संभावित सजा का एक-तिहाई हिस्सा काट लिया है।

इसके पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले वर्ष संविधान दिवस पर अपने भाषण में जेलों में बढ़ती भीड़ की ओर ध्यान खींचा था। उन्होंने न्याय की ऊंची लागत की समस्या का जिक्र करते हुए शासन की तीनों शाखाओं- कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका- से इसका समाधान खोजने की अपील की थी। बहरहाल, कुछ व्यावहारिक सवाल हैं। मुख्य मुद्दा यह है कि ये समस्या पैदा ही क्यों हुई है। स्पष्टतः इसकी जड़ें आपराधिक न्याय प्रक्रिया पर अमल से जुड़ी है।

प्रश्न है कि क्या पुलिस और जेल व्यवस्था में बुनियादी सुधार के बिना कोई ठोस व्यावहारिक समाधान निकल सकता है? फिर मसले का संबंध न्यायपालिका से भी जुड़ता है। न्यायपालिका में जजों की भारी कमी और जमानत के मौजूदा धन-आधारित मॉडल का विकल्प ढूंढे बिना उपरोक्त नेक इरादे को अमली जामा पहना सकना कठिन हो सकता है। दरअसल, आधुनिक न्याय व्यवस्था में जैसाकि कहा जाता है, बेल नियम और जेल अपवाद होना चाहिए। यानी जमानत मिलना सभी मामलों में सामान्य नियम होना चाहिए। मगर कई ऐसे मामले हैं, जिनमें राजनीतिक मकसदों से व्यक्तियों पर गंभीर इल्जाम मढ़ दिए जाते हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह चलन ज्यादा ही बढ़ गया है। ऐसे मामलों का क्या समाधान होगा? यानी समस्या का एक सूत्र सरकार के अपने नजरिए में भी है। कुल नतीजा जेलों में भारी भीड़ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2024 की शुरुआत तक 1,34,799 लोग सुनवाई के इंतजार में जेलों में बंद थे, जिनमें से 11,448 पांच साल से ज्यादा समय से बिना सजा के जेल में हैं। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अमेरिका का भविष्य सवालों में घिरा

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

ऐतिहासिक राजनीतिक वापसी के बाद आत्मविश्वास से भरे डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका फर्स्ट योजना को साकार करने को संकल्पित हैं। ट्रंप ने जिन सहयोगियों को अपनी कैबिनेट का हिस्सा बनाया है, उससे भविष्य के अमेरिका की बदली हुई और नई छवि उभर कर आने के संकेत मिल रहे हैं।

हालांकि आशाओं और आकांक्षाओं से भरपूर ट्रंप की कैबिनेट को लेकर आशंकाएं भी कम नहीं हैं। ट्रंप आर्थिक सहयोग पर आधारित रणनीतिक भागीदारियों को अमेरिकन जनता के पैसों का दुरुपयोग समझते हैं, और इन्हें गैर-जरूरी बताते हैं। ट्रंप ने नाटो में अमेरिकी भागीदारी पर पुनर्विचार करने और कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को कम करने का सुझाव दिया है।

ट्रंप ने मार्को रूबियो को विदेश मंत्री बनाया है। रूबियो ने अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ ही वैश्विक मंच पर अमेरिका का सम्मान पुनः हासिल करने का वादा किया है। वे चीन, ईरान और क्यूबा सहित अमेरिकी भू-राजनीतिक दुश्मनों के संबंध में सशक्त विदेश नीति की वकालत करते हैं। भारत के लिए उनके विचार बेहद सकारात्मक हैं, जो अमेरिकी विदेश नीति में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए भारत को जापान, इस्त्रइल, दक्षिण कोरिया और नाटो के समकक्ष रखने की बात कहते हैं। रूबियो पाकिस्तान की आतंकवाद को बढ़ावा देने की कोशिश के चलते उसे दी जाने वाली सुरक्षा सहायता रोकने के हिमायती हैं। रूबियो इस्त्रइल को मदद बढ़ा कर ईरान को सबक सिखाने के हिमायती हैं। इसका असर मध्यपूर्व में देखने को मिल सकता है।

ट्रंप ने अरकंसास के पूर्व गवर्नर माइक हकबी को इस्त्रइल में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया है। हकाबी इस्त्रइल के कट्टर समर्थक हैं, और कब्जे वाले पश्चिमी तट पर इस्त्रइली बस्तियों के रक्षक हैं, जिन्हें अधिकांशतः अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा अवैध माना जाता है। इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन के सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और बेहरीन जैसे अमेरिका के रणनीतिक सहयोगी ईरान पर इस्त्रइल के हमलों की आलोचना कर चुके हैं। यूएई ने इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन के सम्मेलन में कहा था कि ट्रंप प्रशासन के साथ एक व्यापक दृष्टिकोण रखने की जरूरत है, प्रतिक्रियावादी और टुकड़े-टुकड़े वाली नीति से काम नहीं चलेगा। इन स्थितियों में नये विदेश मंत्री और अमेरिकी राजदूत माइक हकबी के सामने मध्यपूर्व में अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए संतुलन बनाने की बड़ी चुनौती होगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद के लिए ट्रंप ने माइक वाल्ट्ज पर भरोसा जताया है। वाल्ट्ज ने नेशनल गार्ड में कर्नल के रूप में भी काम किया है, उन्होंने एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीनी गतिविधियों की आलोचना की है, और इस क्षेत्र में संभावित संघर्ष के लिए अमेरिका को तैयार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया है। अमेरिका की वैदेशिक नीति के प्रतिनिधित्व में चीन का विरोध दिखाई पड़ रहा है। मतलब साफ है चीन और अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी तो दोनों देशों के बीच तनाव भी बढ़ेगा। चीन हांगकांग पर प्रतिक्रिया को लेकर रूबियो से पहले ही चिढ़ा हुआ है, और उन पर कई प्रतिबंध लगा चुका है।

ट्रंप ने लाखों अप्रवासियों को लक्षित करते हुए अब तक का सबसे व्यापक निर्वासन प्रयास शुरू करने की कसम खाई है। अप्रवासन को रोकने के लिए वे किसी भी हद तक जाने की बात कह चूके हैं। लिहाजा, उन्होंने यह जिम्मा क्रिस्टी नोएम को सौंपा है। ट्रंप ने नोएम को अगले गृह सुरक्षा सचिव के रूप में चुना है, वे होमलैंड सुरक्षा विभाग, सीमा सुरक्षा और आव्रजन से लेकर आपदा प्रतिक्रिया और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस तक हर चीज के लिए जिम्मेदार हैं। होमन देश की सीमाओं के भी प्रभारी होंगे। होमन अवैध आप्रवासियों को वापस भेजने को लेकर दृढ़ हैं। अप्रवासन को लेकर अमेरिका की कड़ी नीतियों से उसके संबंध लैटिन अमेरिका, मध्य एशिया और भारत से खराब हो सकते हैं। इसका असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और रणनीतिक भागीदारियों पर भी पड़ सकता है। सीआईए प्रमुख के रूप में पूर्व अमेरिकी जासूस जॉन रैटिक्लफ ट्रंप की पसंद हैं। वे ट्रंप के वफादार समर्थक रहे हैं, और उन्हें खुफिया और राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनके काम के लिए जाना जाता है। रैटिक्लफ ने खुफिया मामलों पर ट्रंप के शीर्ष सलाहकार के रूप में काम किया है, और ट्रंप के एजेंडे को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। रैटिक्लफ ने अमेरिकी चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप के प्रयासों को उजागर किया है तथा वे ईरान, चीन और रूस के मुखर आलोचक माने जाते हैं। अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़तीं दूरियां, रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्यपूर्व में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमलों की आशंकाओं के बीच रैटिक्लफ अमेरिकी खुफिया परिदृश्य को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ट्रंप ने सांसद तुलसी गबार्ड को नेशनल

▶▶ शेष पृष्ठ 5 पर

शब्द सामर्थ्य - 75

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

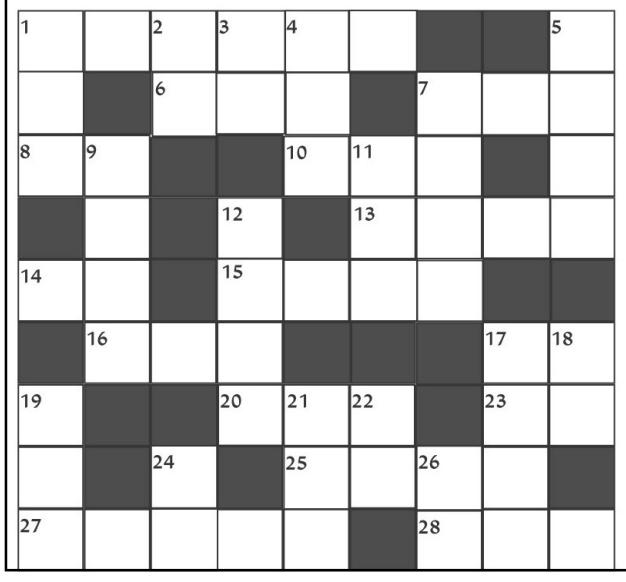

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 74 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

पुष्पा 2 ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, दुनियाभर में सबसे तेज 800 करोड़ का आंकड़ा पार

अल्लू अर्जुन की मेगा-ब्लॉकबस्टर पुष्पा 2: द रूल का पहला वीकेंड धमाकेदार रहा. फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई है. पुष्पा 2 ने प्रभास की कल्कि 2898 एडी को पछाड़कर ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 2024 में किसी भारतीय फिल्म के लिए सबसे बड़ा ओपनिंग वीकेंड हासिल किया है, साथ ही वैश्विक स्तर पर किसी भारतीय फिल्म के लिए अब तक का सबसे बड़ा वीकेंड भी हासिल किया है. इतना ही नहीं फिल्म ने 4 दिनों में दुनियाभर में 800 करोड़ का आंकड़ा पार किया है और भारत में 500 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है.

सैकनिल्क के ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लू अर्जुन की एक्शन फिल्म पुष्पा 2 ने वीकेंड पर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. सुकुमार निर्देशित इस फिल्म ने चौथे दिन भारत में सभी भाषाओं में कुल 141 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिसमें हिंदी वर्जन में इसने 85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इसके परिणामस्वरूप हिंदी सिनेमा के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा दिन रहा. 4 दिनों के बाद पुष्पा 2 का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल कमाई 529.72 करोड़ रुपये हो गए हैं.

पुष्पा 2: द रूल हिंदी वर्जन का चार दिन का ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन 291.7 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, इससे पहले की सबसे अच्छी शाहरुख खान की फिल्म जवान ने चार दिन के वीकेंड में 249 रुपये का कलेक्शन किया था. एक्शन से भरपूर अल्लू अर्जुन की यह फिल्म 250 करोड़ रुपये के क्लब में सबसे तेजी से शामिल होने वाली फिल्म भी है, और हिंदी में बॉक्स ऑफिस पर सबसे तेजी से तिहरा शतक लगाने वाली भी फिल्म होगी. नार्थ इंडिया में एक दिन में सबसे ज्यादा कमाई करने रिकॉर्ड भी पुष्पा 2 के नाम है.

पुष्पा 2 ने ना सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर बल्कि दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है. सैकनिल्क के मुताबिक, पुष्पा 2 ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. पुष्पा 2 का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन का यह ऐतिहासिक पहला वीकेंड है, जो किसी भी भारतीय फिल्म के लिए अब तक का सबसे बड़ा कलेक्शन है.

वरुण धवन की बेबी जॉन के ट्रेलर की रिलीज डेट से उठा पर्दा

2024 खत्म होने को है और दिसंबर का महीना एक के एक बाद मास एंटरनेटर देकर दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है. अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा ही रही है. अब इसी बीच वरुण धवन की बेबी जॉन भी 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है.

वरुण धवन की बेबी जॉन साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है फिल्म क्रिसमस के मौके पर यानि 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इस मास एंटरटेनर के ट्रेलर की रिलीज डेट भी अब मेकर्स ने बता दी है. हाल ही में फिल्म के डायरेक्टर एटली ने सोशल मीडिया पर नया पोस्टर रिलीज करते हुए ट्रेलर की डेट बताई. पोस्टर में वरुण खूंखार लुक में नजर आ रहे हैं. पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, द काउंटडाउन शुरू, बेबी जॉन का एक्शन दिखने के लिए तैयार हो जाइए, बेबी जॉन सिनेमाघरों में 25 दिसंबर को रिलीज होगी. दर्शकों ने बेबी जॉन के टीजर को जबरदस्त रिस्पॉन्स दिया था. टीजर की शुरुआत एक बच्ची से होती है जो अपने पापा जो कि वरुण धवन हैं के बारे में बताती हैं. दूसरी तरफ वरुण एक पुलिस ऑफिसर के रुप में फुल एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं. इसमें जैकी श्रॉफ बतौर विलेन नजर आएंगे जिनका लुक भी टीजर में काफी खूंखार था. बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी का भी अहम रोल है उनकी झलक भी टीजर में देखने को मिली. बेबी जॉन से कीर्ति बॉलीवुड में शुरुआत करने जा रही हैं. बता दें बेबी जॉन एटली की फिल्म थेरी का रीमेक है जो 2016 में रिलीज हुई थी इसमें थलापति विजय और सामंथा ने लीड रोल किया था. बेबी जॉन को कलीश ने लिखा और डायरेक्ट किया है.

अमेरिका का भविष्य सवालों....

◀◀ पृष्ठ 4 का शेष

इंटेलिजेंस का डायरेक्टर नामित किया है। यह विभाग अमेरिका में सारी खुफिया एजेंसियों का काम देखता है। तुलसी पाकिस्तान की आलोचक रही हैं। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों की आलोचना की थी, ऐसे में तुलसी बांग्लादेश को लेकर सख्त हो सकती हैं, और इसका फायदा निर्वासित शेख हसीना को मिल सकता है।

ट्रंप ने अमेरिका की प्रशासनिक व्यवस्था पर शिंकजा कसने की जिम्मेदारी एलन मस्क और विवेक रामास्वामी को सौंपी है। रामास्वामी एफबीआई की आलोचना करते रहे हैं। अमेरिका में संघीय एजेंसियों को बदलने की कोशिशें कांग्रेस में व्यापक आलोचना का कारण बन सकती हैं, और यह सीआईए के लिए भी स्वीकार्य नहीं होगा। ट्रंप की नीतियों और मंशा पर वहां की खुफिया एजेंसियां पहले ही सवाल उठा चुकी हैं। इससे देश में अभूतपूर्व टकराव बढ़ सकता है।

अमेरिका में कैबिनेट की स्थिति दुनिया की अन्य शासन व्यवस्थाओं से बहुत अलग और खास है। दुनिया के इस सबसे शक्तिशाली देश में कैबिनेट के सदस्य संसद के किसी सदन के सदस्य नहीं होते और न ही सदन के प्रति उनका कोई उत्तरदायित्व होता है। वे मात्र राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी होते हैं। जाहिर है, ट्रंप की कैबिनेट उनके लिए तो मुफीद है लेकिन आक्रामकता से भरपूर राजनीतिक समूह के चलते अमेरिका का भविष्य सवालों में घिर गया है।

मां से योद्धा बनीं नयनतारा, हाथों में हथियार लेकर दुश्मनों को किया लहूलुहान!

साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार कही जाने वाली नयनतारा अपने 40 साल जन्मदिन पर उनकी जीवन पर बनी डॉयक्यूमेंट्री नयनतारा-बियॉन्ड द फेयरीटेल रिलीज किया गया। वहीं, एक्ट्रेस के खास दिन पर ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने एक नई फिल्म का एलान कर फैंस को खुश कर दिया है। ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर नयनतारा के फैंस को तोहफा देते हुए उनकी नई फिल्म के टाइटल टीजर का एलान किया है। उन्होंने फिल्म से नयनतारा का धांसू पोस्टर जारी करते हुए टाइटल का खुलासा किया है और कैप्शन में टीजर का लिंक साझा करते हुए लिखा है, युद्ध शुरू हो गया है। लेडी सुपरस्टार नयनतारा की रक्कई का धमाकेदार टाइटल टीजर पेश है। उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं।

पोस्टर में नयनतारा अपने दोनों हाथों में हथियार लिए नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर एग्रेशन साफ नजर आ रहा है। वहीं रक्कई के टीजर की बात करें सेंथिल नल्लासामी की निर्देशित फिल्म के टीजर में नयनतारा को एक ऐसी मां के अवतार में दिखाया गया है, जो अपने बच्चे की सुरक्षा के लिए योद्धा बन जाती है।

रक्कई के टीजर की शुरुआत बच्चे के रोने की आवाज से शुरू होती है। इसके बाद एक खुले मैदान की झलक दिखाई जाती है, जहां एक झोपड़ी, जिसमें से बच्चे के रोने की आवाज आती है, के बाहर मशाल लिए दुश्मन की सेना नजर आती है। इस दौरान बच्चे की झलक दिखाई जाती है, जो भूखा रहता है। इसके बाद नयनतारा की झलक दिखाई गई है। वह अपने दुश्मनों से लडने और अपने बच्चे को शांत कराने की तैयारी करती हैं। वह ओखली में लाल मिर्च का पाउडर तैयार करती नजर आती है।

इसके बाद वह बच्चे को दूध पिलाकर उसे झूले में सुला देती है। इस बीच दुश्मन की सेना उन पर वार करने के लिए उनकी झोपड़ी को ओर दौड़ पड़ते हैं। बच्चे को सुलाने के बाद नयनतारा हाथ में हथियार लेकर दुश्मनों से जंग करने मैदान में उतरती हैं। वह दुश्मनों को लहूलुहान करते हुई नजर आती हैं। टीजर का आखिरी में नयनतारा को झूले में सोए बच्चे साथ दिखाया जाता है। इस बीच फिल्म के टाइटल का खुलासा होता है। नयनतारा का यह एक्शन अवतार उनके फैंस को काफी पंसद आया है।

उधर, नयनतारा ने रक्कई का टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, एक ऐसी भूमि में जहां न्याय केवल एक स्मृति मात्र है। एक मां, जिसकी दुनिया उसका बच्चा था। लेकिन जब उसकी बच्चे की जान को एक राक्षस से खतरा होता है। तो वह भागती नहीं।। वह डगमगाती नहीं। इसके बजाय, वह जंग का एलान करती है।

नयनतारा ने अपने जन्मदिन से एक दिन पहले अपने फैंस को अपनी अपकमिंग फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें वह अकेले दुश्मनों के सामने निडर होकर खड़ी नजर आ रही है। हाथ में भाला लिए नयनतारा का ये अवतार किसी बड़े युद्ध का संकेत दे रही है। पोस्टर पर बड़े अक्षरों में लिखा है, उसने जंग का एलान किया है। एक्ट्रेस के इस पोस्टर को कई सोशल मीडिया यूजर्स ने साउथ स्टार धनुष के साथ चल रहे उनके अनबन से जोड़ा है।

इससे पहले नयनतारा ने अपनी बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरीटेल का पोस्टर शेयर कर बताया कि उनकी डॉक्यूमेंट्री अब नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। नयनतारा-बियॉन्ड द फेयरीटेल में नयनतारा के पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक की झलक दिखाई गई है। एक्ट्रेस के करीबी लोगों ने खुद उनके जीवन के बारे में खुलासा करते हुए नजर आ रहे हैं। इस डॉक्यूमेंट्री में नयनतारा और विग्नेश की अनसीन वेडिंग की भी झलक दिखाई गई है।

प्रियंका चोपड़ा हिंदी सिनेमा में वापसी को तैयार

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपने अभिनय का परचम लहराने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी को लेकर चर्चा में हैं।उन्हें आखिरी बार हिंदी फिल्म द स्काई इज पिंक में देखा गया था, जिसमें वह फरहान अख्तर के साथ नजर आईं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी और प्रियंका पिछले 5 साल से हिंदी सिनेमा से दूर हैं।अब प्रियंका ने हिंदी फिल्म करने के संकेत दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

प्रियंका ने कहा, मैं कई निर्माताओं से मिलती हूं और कहानी पढ़ती हूं। हिंदी फिल्मों में मैं अलग तरह का रोल तलाश रही हूं। यह साल मेरे लिए वाकई बहुत व्यस्त रहा, लेकिन मेरे पास कुछ है। मैं आप सब लोगों को जल्द बताऊंगी।इसके अलावा जब प्रियंका से फिल्म जी ले जरा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

फरहान ने अपनी फिल्म जी ले जरा की घोषणा 2021 में की थी, लेकिन अभी तक उनकी यह फिल्म शुरू नहीं हो पाई है।इसकी स्टाकरस्ट और कहानी से जुड़ीं कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं, वहीं कई बार फिल्म के डिब्बा बंद होने की खबरें भी सामने आईं। हालांकि, फिल्म को ठंडे बस्ते में डालने की खबरों को फरहान नकार चुके हैं।इस फिल्म में प्रियंका के साथ आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ भी नजर आएंगी।

भारतीय संविधान में कलात्मकता

गजेंद्र सिंह शेखावत

हमारा भारत देश संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का एक जीता जागता अनुभव है। इसके इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। इससे भी अधिक कठिन है पांच हजार से अधिक वर्षों की सभ्यता के इतिहास को एक दस्तावेज़ के रूप में व्यक्त करना, जो देश की स्वतंत्रता के समय एक नए स्वतंत्र हुए राष्ट्र के भाग्य का मार्गदर्शन करने वाला हो। लेकिन आचार्य नंदलाल बोस केवल एक कलाकार नहीं थे और भारत के संविधान पर चित्रण उनके लिये केवल एक और कार्य नहीं था। संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हड़प्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है।

यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वर्गीकृत किया गया है- मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकृतिक विशेषताएँ।

संविधान की शुरुआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव-भाव सही हों और आयु के हिसाब से उनमें बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइनर दीनानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव-भाव, शारीरिक भाषा और तौर-तरीकों का अध्ययन करने के लिए महीनों तक कोलकाता चिड़ियाघर गए। प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया। इस पृष्ठ पर निचले दाएं कोने में देवनागरी में सिन्हा का संक्षिप्त हस्ताक्षर राम है।

संविधान की प्रस्तावना एक हाथ से लिखा हुआ लेख है जो आयताकार बॉर्डर से घिरा हुआ है। बॉर्डर के चार कोनों में चार पशुओं को दर्शाया गया है। दर्शाए गए चार जानवर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के आधार से लिए गए हैं। बॉर्डर की कलाकृति में कमल की आकृति प्रमुखता से दिखाई देती है। कमल की आकृति बॉर्डर कलाकृति में प्रमुखता से दिखाई देती है।

संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग-अलग पृष्ठों पर अलग-अलग बॉर्डर डिज़ाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र पर और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दर्शाता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग 19 में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गाँवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे शांतिनिकेतन के कला भवन में चार दशकों से अधिक समय तक नंदलाल बोस जैसे महान कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें स्नेह से पेरुमलदा कहा जाता था।

संविधान का भाग 4, जो प्रथम अनुसूची के भाग में राज्यों से संबंधित है, वह ध्यान में बैठे भगवान महावीर की समृद्ध रंगीन चित्र से शुरू होता है, जिसमें वे अपनी आँखें बंद करके और हथेलियाँ एक दूसरे पर टिकाकर बैठे हुए हैं। भगवान महावीर के दोनों ओर एक-एक पेड़ हैं और फ्रेम में एक मोर भी दिखाई दे रहा है जो प्रकृति में सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को दर्शाता है। यह मूल संविधान के कुछ रंगीन चित्रों में से एक है। रंगीन चित्रों में जमुना सेन और नंदलाल बोस के हस्ताक्षर हैं। इस पृष्ठ पर बॉर्डर डिज़ाइन में राजनीति नामक कलाकार के हस्ताक्षर भी हैं।

भारतीय संविधान का भाग 15 चुनावों पर केंद्रित है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों में भारत के दो वीर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह को दिखाया गया है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्र धीरेंद्र कृष्ण देब बर्मन द्वारा बनाए गए हैं, जो त्रिपुरा राजघराने के सदस्य थे और रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे। बॉर्डर डिज़ाइन पर कृपाल सिंह शेखावत के हस्ताक्षर हैं, जो भारत के एक प्रसिद्ध कलाकार और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले थे, जिन्हें जयपुर की प्रतिष्ठित ब्लू पॉटरी की कला को पुनर्जीवित करने के लिए जाना जाता है।

शांतिनिकेतन में ललित कला संस्थान कला भवन ने भारत और दुनिया के सभी कोनों से छात्रों और कलाकारों को आकर्षित किया, इस प्रकार विभिन्न प्रभावों को समाहित करते हुए उत्कृष्टता की निरंतर खोज करते हुए एक इकोसिस्टम निर्मित किया और अंत में, एक अनूठी भारतीय शैली और कला निर्मित की। इस पर काम करने वाले कई कलाकारों ने अपने करियर में महान ऊंचाइयों को हासिल किया, लेकिन इस परियोजना के समय शांतिनिकेतन के छात्र और सहयोगी ही थे जो अपने श्रद्धेय 'मास्टर मोशाय' नंदलाल बोस के सपने को जीवंत करने के लिए प्रयत्नशील थे।

संविधान में चित्रों की प्रेरणा भारत के विशाल इतिहास, भौतिक परिदृश्य, पौराणिक चित्र और स्वतंत्रता संग्राम में निहित है। भारत के संविधान का भाग 13 'भारतीय क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और उनके परस्पर संबंधो' से संबंधित है। इस पृष्ठ पर दिया गया चित्रण महाबिलापुरम में स्मारकों के समूह का हिस्सा है जो यूनेस्को द्वारा अंकित विश्व धरोहर स्थल है। 'गंगा का अवतरण' एक बड़ी, खुली हवा में बनी चट्टान की नक्काशी वाली मूर्ति है जो स्वर्ग से धरती पर गंगा नदी के उतरने के कथा को पत्थर में दर्शाती है। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्र पर दिखाई देते हैं और जमुना सेन का नाम बॉर्डर के बाएं निचले कोने पर दिखाई देता है।

भाग 3 जो मौलिक अधिकारों से संबंधित है, उसमें रामायण का एक दृश्य दिखाया गया है। इस पृष्ठ के बॉर्डर पर जमुना सेन के हस्ताक्षर हैं। भाग 4 जो राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों से संबंधित है, उसमें महाभारत का एक दृश्य दिखाया गया है। बानी पटेल और नंदलाल बोस के नाम दाईं ओर नीचे दिए गए चित्रण पर दिखाई देते हैं और विनायक शिवराम मसोजी का नाम बॉर्डर के बाएं कोने पर दिखाई देता है।

संविधान का भाग 7 'पहली अनुसूची के भाग बी में शामिल राज्यों' से संबंधित है। इस खंड की शुरुआत में दिए गए चित्रण में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रसार को दर्शाया गया है। उन्हें हाथी पर सवार दिखाया गया है, जो सभी तरह के साज-सज्जा से सुसज्जित है और बौद्ध भिक्षुओं से घिरा हुआ है। यह चित्रण अजंता की शैली में है, जिसमें भिक्षुओं को शरीर के ऊपरी हिस्से को बिना वस्त्रों और आभूषणों के साथ दिखाया गया है। यह चित्रण नंदलाल बोस द्वारा किया गया था, जिनका काम अजंता भित्तिचित्रों में पाई जाने वाली कलात्मक परंपराओं से बहुत प्रभावित था। चित्रण के निचले बाएँ भाग पर ए. पेरुमल का नाम भी दिखाई देता है। बॉर्डर डिज़ाइन में ब्योहर राममनोहर सिन्हा के हस्ताक्षर हैं, जिन्होंने प्रस्तावना और कई अन्य पृष्ठों को भी डिज़ाइन किया था। यहाँ उन्होंने हिंदी में राममनोहर के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। यह संविधान के उन कुछ पन्नों में से एक है, जिस पर नंदलाल बोस और उनके सबसे वरिष्ठ छात्र ब्योहर राममनोहर सिन्हा दोनों के नाम हैं।

भारत का संविधान इस मायने में अनूठा है कि यह मूल रूप से एक हस्तलिखित दस्तावेज़ था। इसे अंग्रेजी में प्रेम बिहारी रायज़ादा और हिंदी में वसंत के. वैद्य ने सुलेखित किया था। रायज़ादा ने प्रवाहपूर्ण इटैलिक शैली का इस्तेमाल किया और सुलेख की कला अपने दादा से सीखी। संविधान हॉल (जिसे अब कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ़ इंडिया के नाम से जाना जाता है) के एक कमरे में काम करते हुए, उन्होंने छह महीने के दौरान दस्तावेज़ तैयार किया। उन्होंने इसे लिखते समय सैकड़ों पेन निब का इस्तेमाल किया। भारत के संविधान के अंग्रेजी संस्करण के सुलेखक प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा (प्रेम) के हस्ताक्षर दस्तावेज़ के हर पृष्ठ पर दिखाई देते हैं। राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना को शुरू करने के लिए उन्होंने यही एकमात्र अनुरोध किया था।

भारत का संविधान एक मौलिक कला ग्रंथ है जो समय की कसौटी पर खरा उतरा है। भारतीय संविधान में कलात्मकता भारत के बहुस्तरीय इतिहास को दर्शाती है और सामाजिक सांस्कृतिक, पौराणिक, क्षेत्रीय, आध्यात्मिक, भौतिक परिदृश्य तथा अन्य कारकों के प्रति श्रद्धांजलि है जो भारत को एक अद्वितीय और जीवंत अनुभव बनाते हैं। यह एक ऐसे राष्ट्र की वास्तविकता को दर्शाता है जो अपने प्राचीन अतीत को स्वीकार करता है, विविधता में एकता का उत्सव मनाता है और भविष्य की ओर देखता है। *(केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार)*

सू- दोकू क्र. 75

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र74 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

टिकाऊ हल की तलाश

प्रदूषण से भारत की छवि को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में हर साल औसतन 275 दिन खराब हवा दर्ज की जाती है। ये मुश्किलें स्पष्ट हैं। फिर भी टिकाऊ हल की तलाश का कोई गंभीर प्रयास होते हम नहीं देख रहे हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में छाया जहरीला धुआं इस महीने की प्रमुख खबरों में रहा है। इस बीच यह जिक्र भी हुआ है कि एनसीआर की बदहाली तो फिर भी सुर्खियों में आ जाती है, लेकिन देश के बहुत-से शहरों के प्रदूषण पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, जबकि वहां हाल किसी रूप में बेहतर नहीं है। फिर प्रदूषण पर चर्चा अक्सर स्वास्थ्य के नजरिए से होती है- जबकि अर्थव्यवस्था पर होने वाले खराब असर पर अक्सर बात नहीं होती। जबकि हकीकत यह है कि इसका अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषण से हर साल देश की जीडीपी के लगभग तीन प्रतिशत हिस्से का का नुकसान हुआ है। डलबर्ग नाम की ग्लोबल कंसल्टेंसी फर्म ने यह अनुमान लगाया था।

बेशक प्रदूषण के नुकसान को पैसों में नहीं तोला जा सकता। फिर भी इसकी आर्थिक कीमत भी बहुत महंगी है, यह साफ है। सघन प्रदूषण के समय दफ्तरों का बंद होना, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण लोगों का काम पर ना जा पाना, बीमारियों के इलाज, समय से पहले मौत, और इन सबके परिवारों पर पडने़ वाले असर की

कीमत बेहद महंगी है। बाजार विशेषज्ञों की राय में प्रदूषण का उपभोक्ता अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है। इसकी वजह से इस सीजन में लोग बाजारों और रेस्तराओं में कम जाते हैं।

दिल्ली पर गौर करें, तो जो इस समस्या के कारण राष्ट्रीय राजधानी को अपनी जीडीपी के छह फीसदी हिस्से का नुकसान हर साल हो रहा है। तजुर्बा यह है कि सेहत को लेकर सजग लोग बाहर निकलने से बचते हैं, जिससे व्यापार प्रभावित होता है। पर्यटन उद्योग पर भी इसका असर पड़ा है। सर्दियों के मौसम में ज्यादातर विदेशी पर्यटक भारत आते रहे हैं। लेकिन अब धुंध की वजह से वे अपना प्रोग्राम टाल देते हैं। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूअर ऑपरेटर्स के मुताबिक प्रदूषण से भारत की छवि को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में हर साल औसतन 275 दिन खराब हवा दर्ज की जाती है। ये मुश्किलें स्पष्ट हैं। फिर भी टिकाऊ हल की तलाश का कोई गंभीर प्रयास होते हम नहीं देख रहे हैं। (आरएनएस)

प्रदेश सरकार निकाय चुनावों पर स्थिति तत्काल स्पष्ट करेः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि प्रदेश सरकार निकाय चुनावों पर स्थिति तत्काल स्पष्ट करे।

आज यहां कांग्रेस प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश की धामी सरकार से राज्य के निकायों में आरक्षण की स्थिति तत्काल स्पष्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा ओबीसी आरक्षण विधेयक को हरी झंड़ी दिखाने के बाद भी प्रदेश सरकार राज्य की निकायों में आरक्षण घोषित नहीं कर रही जिसके कारण राज्य निर्वाचन आयोग प्रदेश के निकाय चुनाव के कार्यक्रम घोषित नहीं कर पा रहा। धस्माना ने कहा कि उन्होंने इस बाबत राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार से फोन पर बातचीत कर जब यह जानने की कोशिश करी कि निकाय चुनावों के लिए राज्य निर्वाचन आयोग कब फैसला करेगा तो सुशील कुमार ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनकी पूरी तैयारियां हो चुकी है लेकिन जब तक राज्य सरकार आरक्षण घोषित नहीं करेगी तब तक चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया जा सकता। धस्माना ने कहा कि नगर निगमों नगर पालिका परिषदों व नगर पंचायतों में अपने अनुकूल आरक्षण करवाने को लेकर प्रदेश भर में भाजपा नेता आपस में उलझे हुए हैं इसीलिए सरकार आरक्षण पर फैसला नहीं ले पा रही। धस्माना ने कहा कि प्रदेश की शहरी जनता पिछले एक वर्ष से बिना जन प्रतिनिधियों के है और भाजपा सरकार आज भी चुनाव से पीछा छुड़ाने की कोशिश कर रही है जो कि लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग करी कि तत्काल सरकार आरक्षण की स्थिति स्पष्ट करे जिससे राज्य में निकाय चुनावों का मार्ग प्रशस्त हो सके।

एक ही रात में चार दुकानों के शटर तोडकर लाखों की चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने एक ही रात में चार दुकानों के शटर तोडकर वहां से लाखों रूपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुमानीवाला निवासी अजीत कुमार वशिष्ठ ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी माया मार्केट में दुकान है। आज जब वह अपनी दुकान पर पहुंचा तो वहां पर उसकी दुकान के ताले टूटे हुए था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। जिसके बाद उसने देखा कि उसकी दुकान के साथ में तीन अन्य दुकानों के भी शटर टूटे हुए थे। चोरों ने चारों दुकानों से लाखों रूपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नगर निगम चुनाव की रणनीति पर की चर्चा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। वार्ड 48 बद्रीश कालोनी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बैठक प्रदेश प्रवक्ता आशीष नौटियाल के निवास पर आयोजित की गई जिसमें आगामी नगर निगम चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई ।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री एवं वार्ड प्रभारी महेंद्र नेगी ने कार्यकर्ताओं से सक्रिय होकर चुनाव में जुटने को कहा । उन्होंने कहा कि घर घर जाकर भाजपा की जनविरोधी नीतियों को बताना होगा।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी ने कहा कि भाजपा शासन काल में नगर निगम बदहाल हैं।गंदगी का साम्राज्य है। नालिया कूड़े से भरी हुई है। सफाई व्यवस्था ठीक नहीं है। जगह जगह कूड़े के ढेर है।जिससे बीमारी फैलने का खतरा रहता है। सड़कें टूटी हुई हैं ।।स्ट्रीट लाइट न होने से गलियों में अंधेरा रहता है। शहर की दुर्दशा को भाजपा जिम्मेवार है।

बैठक को प्रदेश प्रवक्ता आशीष नौटियाल पूर्व वार्ड कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र नेगी एडवोकेट एस एस बेलवाल विक्रम नेगी देवेंद्र सिंह बिष्ट आनंद सिंह बिष्ट कुलदीप सिंह रावत नीरू राजेश भंडारी एस एन बडोला देवानंद मैठाणी आदि ने संबोधित किया।

दिग्गज कम्पनियों में नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। दिग्गज कम्पनियों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों को ठगने वाले दो लोगों को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एटीएम कार्ड, सिम कार्ड व लैपटाप बरामद कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा जानकारी देते हुये बताया कि एसटीएफ को सूचना मिली थी कि विभिन्न वेब पोर्टलों का अवलोकन करने पर पाया कि दिग्गज कम्पनियों के नाम पर बेरोजगार युवकों को फर्जी जॉब ऑफर लेटर देकर प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर धनराशी लेने वाले साईबर ठगों के कुछ संदिग्ध मोबाईल नम्बर वर्तमान में थाना पटेलनगर क्षेत्र, जनपद देहरादून क्षेत्र में काफी समय से सक्रिय है। जिससे यह स्पष्ट हो गया कि थाना पटेलनगर जनपद देहरादून क्षेत्र में रहकर कोई साईबरों ठगों का गिरोह भिन्न-भिन्न मोवाईल नम्बरों से देश भर में कई बेरोजगार युवकों के साथ साइबर ठगी की घटनाओं को कर रहा है। इस पर मेरे द्वारा अपनी एसटीएफ की टीम को गहनता से जांच करने एवं इस गिरोह को चिन्हित करते हुये ठोस कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इस श्जांच के दौरान विभिन्न मोबाईल नम्बरों के डेटा का विश्लेषण किया गया साथ ही प्रकाश में आये कई संदिग्ध बैंक एकाउंटस के लेन देन का विवरण चौक किया गया तो पाया कि इन संदिग्ध बैंक खातों में देशभर के करीब हर राज्य से अलग अलग लोंगो द्वारा प्रतिदिन 2500 से 30 हजार रूपये की किस्तों में लाखों रूपये जमा किये जा रहे हैं। प्रथम दृष्टया प्रकाश में आये संदिग्ध 05 बैंक खातों में प्रथम दृष्टया दक्षिण भारत के राज्यों में ऑन लाइन ठगी की घटनाओं का सरसरी विश्लेषण किया गया तो 1930 पोर्टल पर कई ऐसी शिकायतें मिली हैं जिनसे बेरोजगार युवकों के साथ उन्हे किसी दिग्गज कम्पनी में नौकरी के लिये इन्टरव्यू लेकर जॉब ऑफर लेटर देकर प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर ठगी की जा रही थी। जिनमें से अभी तक हमें 25 शिकायतें तेलंगना, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू, कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्य में दर्ज पायी गयी हैं इनके अभी और भी घटनायें प्रकाश में आयेंगी। ठगी की इन घटनाओं में सम्बन्धित गिरोह थाना पटेलनगगर क्षेत्र, देहरादून में रहकर यह गिरोह संचालित कर रहे थे। उनके द्वारा बताया कि इस गिरोह के सम्बन्ध में यह जानकारी पुख्ता तो हो गयी थी कि यह गिरोह पटेलनगर क्षेत्र में रह रहा है परन्तु यह गिरोह कहां से संचालित हो रहा है उसके बारे में जानकारी नहीं हो पा रही थी क्योंकि इस गिरोह के सदस्यों द्वारा केवल फर्जी सिम को इस्तेमाल किया जा रहा था और उसमें तकनीक का प्रयोग करके अपने लोकेशन को कहीं दूर दिखाया जा रहा था, इस पर एसटीएफ टीम को एक सटीक कार्ययोजना बनाकर पिछले 15 दिनों से पटेलनगर क्षेत्र में ही रहकर इस गिरोह के बारे में जानकारी एकत्रित करने के लिये निर्देश दिये गये जिसके परिणाम स्वरूप इस गिरोह के दो सदस्यों को मुख्य सहारनपुर देहरादून मार्ग में स्थित बीजीटीसी बाबाजी ट्रांसपोर्ट कम्पनी के कार्यालय, थाना पटेलनगर क्षेत्र से गिरप्तार करने में सफलता प्राप्त हुयी। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम ईश्विंदर शेरगिल पुत्र आरएस गिल निवासी गाँधी ग्राम पटेल देहरादून, विवेक रावत पुत्र विजय सिंह रावत निवासी मढाली, लैन्स डाउन, पौडी गढ़वाल वर्तमान जैदपुर, बदरपुर, नई दिल्ली, बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मारपीट कर घायल किया

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधी रोड निवासी सुलेमान ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज उसकी भाभी उसकी दुकान पर आयी और बताया कि उसके भाई के साथ कुछ लोग मारपीट कर रहे हैं। तब वह दौडकर घटनास्थल पर गया तो देखा कि फुरकान, आमिर व रईस उसके भाई के साथ मारपीट कर रहे थे। उन्होंने उसके भाई के सिर पर कुल्हाडी से वार कर उसको घायल कर दिया था उसके भाई की हालत गम्भीर होने पर वह उसको लेकर दून चिकित्सालय पहुंचा जहां पर उसके भाई का ईलाज चल रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कैबिनेट मंत्री ने गढ़वाली फिल्म गढ़-कुमौं के प्रीमियर शो का किया शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज हाथीबड़कला स्थित सेंट्रियो मॉल में गढ़वाली फिल्म गढ़-कुमौं के प्रीमियर शो का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने फिल्म से जुड़े कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि फिल्में समाज को दिशा देने के साथ ही युवाओं को प्रेरणा देने का भी कार्य करती है। उन्होंने कहा कि गढ़वाली फिल्म ष्गढ़-कुमौंष हमारी पारम्परिक लोक परम्पराओं और मान्यताओं से युवा पीढ़ी को परिचित कराने का सार्थक प्रयास है। उन्होंने इसके लिए फिल्म निर्माता निर्देशक फिल्म की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं हैं। उत्तराखण्ड का नैसर्गिक सौंदर्य फिल्मकारों को देवभूमि उत्तराखण्ड के लिए आकर्षण का केन्द्र बना है। सरकार नई फिल्म नीति से फिल्मों को प्रोत्साहन देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा राज्य में फिल्मकारों को सुविधा प्रदान करने के लिये उनके हित में कई निर्णय लिये गये हैं।

इस अवसर पर दर्जधारी राज्य मंत्री मधु भट्ट, जागर सम्राट प्रीतम भरतवाण, निर्देशक अनुज जोशी, निर्माता हरित अग्रवाल, एसोसिएट निर्देशक दीपक रावत, संपादक विभोर सकलानी, डीओपी हरीश नेगी, गिरीश सेमवाल, अभिनेता संजू सिलोड़ी, लोक गायिका मीना राणा, रेशमा शाह, अंकिता परिहार, हेम पंत सहित फिल्म से जुड़े कलाकार उपस्थित रहे।

एक नजर

'पुष्पा 2' के एक्टर अल्लू अर्जुन गिरफ्तार !

मुंबई । हैदराबाद के संध्या थिएटर मामले में साउथ सुपरस्टार और श्पुष्पा 2श के एक्टर अल्लू अर्जुन पर बड़ी कार्रवाई हुई है। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। 4 दिसंबर को फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान थिएटर में भगदड़ मच गई थी, जिसमें एक 35 साल की महिला की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे। पुलिस ने इस घटना के लिए अल्लू अर्जुन और थिएटर प्रबंधन पर मामला दर्ज किया था। फिल्म पुष्पा-2 और खुद अल्लू अर्जुन की पॉपुलैरिटी इतनी ज्यादा है कि लोग उनकी एक झलक देखने को आतुर रहते हैं। इस कड़ी में वो अपने फिल्म का प्रमोशन करने अलग-अलग जा रहे थे और इसी क्रम में वो संध्या थिएटर भी पहुंचे थे। शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि यहां इतनी भीड़ हो जाएगी। लेकिन यहां बेतहाशा भीड़ उमड़ पड़ी, जिसके कारण यह दुखद घटना हो गई। हादसे के बाद से ही वो (अल्लू अर्जुन) पीड़ित परिवार को सपोर्ट कर रहे हैं।

उन्होंने इस हादसे पर दुख भी जताया और पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद और इलाज का वादा भी किया था। अल्लू अर्जुन ने परिवार को 25 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया था। गौरतलब है कि इन दिनों पुष्पा-2 ने दुनियाभर के सिनेमाघरों में धूम मचा रही है। सिनेमाहालों में हर दिन टिकट की मारामारी देखने को मिल रही है। इन सबके बीच हैदराबाद पुलिस ने पुष्पा-2 के एक्टर अल्लू अर्जुन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है।

'मैं किसान का बेटा हूं, झुकूंगा झ नही, मैंने बहुत बर्दाश्त कर लिया है'

नई दिल्ली। राज्यसभा में आज शुक्रवार को सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति पर आरोप लगाया कि वह सदन को नियमों के तहत नहीं चला रहे हैं। इसके जवाब में उपराष्ट्रपति और सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, आपको पीड़ा होती है कि इस कुर्सी पर एक किसान का बेटा कैसे बैठा है। जब सभापति जगदीप धनखड़ ने शोर मचाने वाले विपक्षी सांसदों से चुप रहने की अपील की लेकिन वे नहीं रुके। इसके बाद, सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैं किसान का बेटा हूं, झुकूंगा नहीं। मैंने बहुत बर्दाश्त कर लिया है। अब किसान सिर्फ खेत तक सीमित नहीं है। हंगामे के बीच सभापति धनखड़ ने विपक्षी नेताओं से कहा, ष्आप मुझे समय बताइए, मैं चर्चा के लिए तैयार हूं। मैं किसान का बेटा हूं, तो आपको यह सहन नहीं हो रहा है। आप क्या रहे हैं? आपने संविधान की धज्जियां उड़ाईं। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से कहा, आप मुझसे मिलने का समय निकालिए, आप 12 बजे मुझसे मिल सकते हैं। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। विपक्षी दलों ने सभापति पर पक्षपाती रवैया अपनाने का आरोप लगाया, खासकर जब वह बीजेपी के सांसदों को बोलने का अधिक अवसर दे रहे थे। इस पर जवाब देते हुए सभापति धनखड़ ने कहा, ष्मैं किसान का बेटा हूं, मैं मर जाऊंगा मगर झुकूंगा नहीं।

भारतीय रिजर्व बैंक को बम से उड़ाने की धमकी!

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर गुरुवार (12 दिसंबर 2024) दोपहर एक धमकी भरा ई-मेल आया। यह ईमेल रूसी भाषा में भेजा गया था और इसमें रिजर्व बैंक को उड़ाने की बात कही गई थी। इस मामले में माता रमाबाई मार्ग (एमआरए मार्ग) पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह मेल रूसी भाषा में होने की वजह से एजेंसियां और भी सतर्क हो गई है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि किसी ने जानबूझकर परेशान करने की मंशा से तो मेल नहीं भेजा है। किसी ने वीपीएन के जरीए तो मेल नहीं किया है, इसे लेकर प्च एड्रेस का पता लगाया जा रहा है। इस मामले में क्राइम ब्रांच जुटी हई है और एक्सपर्ट की भी मदद ली जा रही है। धमकी मिलने के बाद आसपास के इलाकों की जांच की गई। पिछले महीने भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था जब भारतीय रिजर्व बैंक के कस्टमर केयर नंबर पर कॉल आया और उसने खुद को लश्कर-ए-तैयबा का सीईओ बताया था। उसने सेंट्रल बैंक को बम से उड़ाने की धमकी भी दी थी। धमकी देने वाला यह कहते हुए फोन रख देता है कि पीछे का रास्ता बंद कर दो, इलेक्ट्रिक कार खराब हो गई है।

मोबाइल लूट में तीन गिरफ्तार, दो मोबाइल व दुपहिया वाहन बरामद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मोबाइल लूट की घटना का खुलासा करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटे गये दो मोबाइल व घटना में प्रयुक्त दुपहिया वाहन बरामद कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पटेलनगर में मुकेश गायल ने काली मन्दिर भण्डारी बाग के पास मोबाइल लूट का मुकदमा दर्ज कराया। वहीं ब्राहमणवाला निवासी गौस मौहम्मद ने भी वह खाना लेकर अपने घर की तरफ जा रहा था भी उमंग विहार से पहले खाली पडे खेतों के पास से बाईक सवार दो युवकों ने उसके हाथ पर झपटा मारकर मोबाइल लूट लिया।

मोबाइल लूट की दो घटनाओं के खुलासे के लिए एसएसपी अजय सिंह ने पटेलनगर कोतवाली पुलिस को जरूरी दिशा निर्देश दिये। पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने मोबाइल लूट के खुलासे के

लिए टीम का गठन किया।

पुलिस टीम ने घटना के खुलासे के लिए सीसीटीवी कैमरों की मदद से तीन लोगों को गिरफ्तार किया जिनके कब्जे से लूटे गये दो मोबाइल व एक मोटरसाईकिल व स्कूटी बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अनुज चौहान पुत्र देवेन्द्र सिंह चौहान निवासी ला आदर्श विहार, विकास सिंह पुत्र विनोद चौहान निवासी लोहिया नगर ब्रहमपुरी, व इंद्र कुमार पुत्र विशनल सैनी निवपसी लोहिया नगर बताया। पुलिस के अनुसार तीनों नशे के आदि है और नशा पूर्ति के लिए लूट की घटनाओं को अंजाम दिया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जमीन के नाम पर ठगे 27 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर 27 लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुष्पकुंज मोथरोवाला रोड निवासी डॉ. अनीता नैथानी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी पहचान दीपक शर्मा केएल पॉलिटेक्निक रूडकी में प्रवक्ता है के द्वारा कैलाश हास्पिटल के पास एक जमीन दिखायी जो उनको भी पसंद आयी और उन्होंने जमीन का प्रस्ताव स्वीकार कर दीपक शर्मा को 27 लाख रूपये दे दिये जब उन्होंने कागजात मांगे तो मौके पर जमीन उपलब्ध नहीं थी उस जमीन पर विवाद चल रहा था। जब उन्होंने दीपक शर्मा से अपने रूपये वापस मांगे तो वह टाल मटोल करने लगा। जिसके बाद उनको पता चला कि उनके साथ दीपक शर्मा ने ठगी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने कोयल घाटी के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देखकर स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 48 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम कमल अधिकारी निवासी शिवाजी नगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर स्कूटी को सीज कर दिया।

विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपों की किचन में लगी आग

संवाददाता

देहरादून। विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपों की रसोईघर में आग लगने से अफरा तफरी मच गयी जिसके बाद काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

आज यहां परेड ग्राउंड में चल रहे 10वे विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो के रसोईघर में अचानक आग लगने से वहां पर अफरा तफरी मच गयी और लोग यहां वहां भागने लगे। आयोजकों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया जिसके बाद सभी ने राहत की सांस ली। आग की घटना से कोई बढा नुकसान नहीं हुआ।

घर में घुसकर मारपीट करने पर एक दर्जन लोगों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक दर्जन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मण्डूवाला निवासी राखी देवी ने प्रेमनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले अरूण, कविता, अनिल, नीतू, चन्द्र, आशा, प्रेम कुमार, नीलम, मंजू, सीता, दिक्षा, शिल्पी व दुर्गेश ने उसके घर में घुसकर उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान का ताला तोडकर बिजली का सामान व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। वैष्णव एन्क्लेव हरभजवाला निवासी अनिल कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चोरों ने उसके मकान का ताला तोड वहां से बिजली की वायरिंग के बाक्स, सेनेटरीवेयर के सामग्री व नगदी चोरी कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।